त्रिशूर पूरम में हाथी परेड

[स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स]

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय **ने** त्रिशूर पूरम में हाथियों के प्रदर्शन पर **केरल** उच्च न्यायालय द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों पर रोक लगा दी।

- इससे पहले केरल उच्च न्यायालय ने हाथियों के बीच **3 मीटर की दूरी ,** सार्वजनिक या पर्क्यूशन प्रदर्शनों से **8 मीटर की दूरी , तथा** आतिशबाजी वाले क्षेत्रों से **100 मीटर की दूरी रखने का आदेश दिया था।**

त्रिशूर पूरम:

- यह केरल के त्रिशूर में आयोजित होने वाला एक **वार्षिक हिंदू मंदिर उत्सव है जो 10 मंदिरों** के देवताओं का एक प्रतीकात्मक मिलन है।
- केरल के **मेडम (अप्रैल-मई)** में मनाया जाने वाला यह त्यौहार **सभी पूरमों (मंदिर उत्सव) की जननी** के रूप में जाना जाता है।
- इसकी शुरुआत **कोचीन के महाराजा राजा राम वर्मा (1790-1805)** ने की थी, जिन्हें **सक्थन थंपुरन** के नाम से जाना जाता था। इसमें 10 विभिन्न मंदिरों ने भाग लिया था।
- **जीवंत रूप से सुसज्जित हाथी** त्रिशूर पूरम का एक प्रमुख आकर्षण हैं।
- त्यौहार की शुरुआत **ध्वजारोहण** समारोह से होती है, जिसे **कोडियेट्टम** के नाम से जाना जाता है। अंतिम दिन शानदार **आतिशबाजी का प्रदर्शन** होता है।

//

और पढ़ें: [त्रिशूर पूरम]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/elephant-parade-in-thrissur-pooram